Need to provide facilities to impart technical and management education

डॉ. लता वानखेड़े (सागर) : माननीय सभापति महोदय, मैं इस सदन का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ । हमारे छोटे शहरों और पिछड़े क्षेत्रों में उच्च स्तरीय तकनीकी एवं प्रबंधकीय शिक्षा के सीमित अवसर हैं ।

हम सभी जानते हैं कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है । आज देश के युवा इनोवेशन प्रतिभाशाली हैं, नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और वैश्विक स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं । लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि उच्च स्तरीय तकनीकी और प्रबंधकीय शिक्षा, हाई लेवल टेकनोलॉजी एवं मैनेजमेंट एजुकेशन के अवसर केवल महानगरों तक ही सीमित हैं । आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, एनआईडी, और एमआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की शाखाएँ बड़े शहरों तक ही सीमित रह गई हैं, जबकि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी इन तक पहुँचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं ।

12.47 hrs (Shrimati Sandhya Rani *in the Chair*)

माननीय सभापति महोदया, मेरा संसदीय क्षेत्र सागर, मध्य प्रदेश भी ऐसी ही एक चुनौती का सामना कर रहा है । यहाँ के युवा शिक्षा के लिए महानगरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं, जिससे न केवल उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है, बल्कि उनके अपने क्षेत्र के विकास में योगदान देने की संभावनाएँ भी सीमित हो जाती हैं । क्या यह उचित है कि देश के हर कोने में प्रतिभा होने के बावजूद केवल कुछ ही शहरों को इन संसाधनों का लाभ मिले?

महोदया, सरकार ने सबके लिए शिक्षा और समावेशी विकास का जो संकल्प लिया है, उसे साकार करने के लिए यह आवश्यक है कि इन प्रतिष्ठित संस्थानों की शाखाएँ छोटे और मझोले शहरों में भी स्थापित की जाएँ । यह केवल शिक्षा का विस्तार ही नहीं होगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास, नए रोजगार के अवसर और नवाचार को भी बढ़ावा देगा । यदि सागर जैसे शहरों में आईआईटी, आईआईएम या एनआईटी जैसे संस्थान स्थापित किए जाते हैं तो यह न केवल स्थानीय विद्यार्थियों को लाभ पहुँचाएगा, बल्कि पूरे राज्य के शैक्षणिक और औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा ।

माननीय सभापति महोदया, मैं सरकार से यह अनुरोध करती हूं कि छोटे शहरों में उच्च स्तरीय तकनीकी एवं प्रबंधकीय शिक्षा के विस्तार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं । आईआईटी, आईआईएम और अन्य राष्ट्रीय संस्थानों की शाखाएं पिछड़े और मध्यम श्रेणी के शहरों में भी खोली जाएं । ऐसे क्षेत्रों में सरकारी और निजी भागीदारी के माध्यम से उच्च शिक्षा का आधार मजबूत किया जाए । प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी ही भूमि पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर प्रदान किये जाएं । यदि ऐसा होता है तो न केवल शिक्षा के क्षेत्र में समानता आएगी, बल्कि देश का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा । हम अपने युवाओं को केवल महानगरों तक सीमित रखने के बजाय अपने शहरों में वैश्विक अवसर प्रदान कर सकते हैं । इसलिए, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से अपील करना चाहती हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र सागर में इन संस्थानों में से किसी एक की स्थापना हेतु अवश्य कदम उठाए जाएं । इससे हमारे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी, नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और हमारा क्षेत्र भी राष्ट्रीय प्रगति में एक समग्र भूमिका का निर्वहन कर सकेगा । जय हिंद ।